Concern over decreasing lung capacity of children

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़) : माननीय उपसभापति महोदय, देश की राजधानी समेत देश के 35 प्रतिशत बच्चे खराब स्वास्थ्य की समस्या से जूझ रहे हैं। ब्रीथ ब्लू 15 नाम से बच्चों पर किए गए देशव्यापी सर्वे में अकेले दिल्ली में 21 प्रतिशत बच्चों के फेफड़ों की क्षमता बेहद खराब है। इसी प्रकार बेंगलुरु में 22 प्रतिशत, कोलकाता में 26 प्रतिशत और मुम्बई में 14 प्रतिशत बच्चों के फेफड़ों की क्षमता बेहद खराब है और राष्ट्रीय स्तर पर 35 प्रतिशत बच्चे खराब स्वास्थ्य की समस्या से जूझ रहे हैं। यह निष्कर्ष बच्चों के फेफड़ों की स्क्रीनिंग (एल.एच.एस.टी.) करने के बाद निकाला गया है।

हम बार-बार कहते हैं कि बच्चे देश का भविष्य हैं। यह तो मैंने शहरों की बात कही है, लेकिन यदि आप आदिवासी अंचलों में जाकर देखें, तो आपको पता चलेगा कि बच्चों के स्वास्थ्य के संबंध में किस प्रकार की लापरवाही होती है। बच्चे देश का भविष्य हैं। मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह इसके कारणों का पता लगाने और इसके निदान के लिए शीघ्र प्रभावी कदम उठाए। साथ ही मेरा सरकार से यह भी अनुरोध है कि जब योग का देश-विदेश में जम कर प्रचार हो रहा है, तो सभी स्कूलों में कुछ समय योग के लिए निर्धारित किया जाए, ताकि बच्चे तनाव से दूर हो सकें और स्वस्थ रह सकें।

PAPERS LAID ON THE TABLE — *Contd.*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Y. S. Chowdary to lay the papers.

SHRI Y.S. CHOWDARY: Sir, I lay on the Table, a copy each (in English and Hindi) of the following papers :—

(a) Eighteenth Annual Report and Accounts of Technology Development Board, New Delhi, for the year 2013-14, together with the Auditor's Report on the Accounts.

(b) Review by Government on the working of the Board.

(c) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (a) above.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION — *Contd.*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Chaudhary Munvvar Saleem.

Difficulties faced by Haj Pilgrims

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं हिन्दुस्तान की 1/5 आबादी, यानी मुसलमानों के हज के फरीज़े को लेकर जो कुछ समस्याएँ हैं, उनको लेकर खड़ा हुआ हूँ। उत्तर प्रदेश के हाजियों की कठिनाई के संदर्भ में उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री, माननीय अखिलेश यादव जी ने दिनांक 1.4.2015 को माननीय प्रधान मंत्री जी को अवगत कराया है तथा हज

मंत्री, माननीय मोहम्मद आज़म खान साहब ने विदेश मंत्री जी को दिनांक 12.3.2015 को अवगत कराया है, लेकिन अफसोस है कि इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया है। उपसभापति महोदय, हिन्दुस्तान की 1/5 आबादी उत्तर प्रदेश से हज के सफर पर जाती है। सेंट्रल हज कमेटी उत्तर प्रदेश के साथ जिस तरह का भेदभाव करती है, वह मैं सरकार के संज्ञान में लाना चाहता हूँ। यह हिन्दुस्तान के हाजियों का दर्द है। सेंट्रल हज कमेटी ने यह पाबंदी लगा दी है कि अमुक कंपनी की अटैची लेकर ही हज के सफर पर जाना होगा। इससे यह लगता है कि चेयरमैन हज कमेटी और अटैची कंपनी के बीच कुछ गोलमाल है। वह गरीब हाजी, जो तेहमद और कुर्ता पहन कर अपने कंधे पर पोटलियां बांध कर अपना धार्मिक सफर तय करता था, उसके लिए किसी कंपनी की अटैची की पाबंदी लगाना, यह नया काम है और हाजी इस पर कराह रहे हैं। इससे भी ज्यादा अफसोसनाक बात यह है कि माननीय अखिलेश यादव जी ने प्रधान मंत्री जी को लिखा है कि 2001 की मुस्लिम जनसंख्या की गणना के आधार पर उत्तर प्रदेश से 2014 में समस्त जिलों को मिला कर 23,688 हाजियों को भेजा गया था, जिसमें इस बार 1,650 की संख्या कम कर दी गई है, जबकि 2014 में गुजरात के 3,536 हाजियों को भेजा गया था और वहां इसे बढ़ा कर दोगुना, यानी 6,272 कर दिया गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि वह उत्तर प्रदेश के साथ इंसाफ करे। अटैची के संदर्भ में उत्तर प्रदेश सरकार ने यह फैसला लिया था, माननीय मुख्य मंत्री जी ने यह कहा था कि सरकार अपनी ओर से उत्तर प्रदेश के हाजियों को अटैची देगी, लेकिन हज कमेटी के चेयरमैन और सरकार की ओर से आज तक इसके ऊपर कोई जवाब नहीं दिया गया, जो अफसोसनाक है, जबकि वह ऐसा फैसला था, जिससे हिन्दुस्तान भर की हज कमेटीज़ को सबक लेना था। इसी तरह वह ट्रैवल एजेंसी ...**(समय की घंटी)**... सर, अभी टाइम बचा है। वह ट्रैवल एजेंसी, जिसकी बसें हर बार लगाई जाती थीं और पिछली बार हमारे उत्तर प्रदेश के हाजी, आग लगने के कारण उन बसों में मरते-मरते बचे थे, लेकिन उनका सामान जल गया था, जो वहां हाई कमीशन के लोग बैठे हैं, वे लोग और हज कमेटी के चेयरमैन ने मिल कर उसी कंपनी को फिर ठेका दिया है, जबकि दूसरी कंपनियां इस बात के लिए खड़ी हैं कि हम और अच्छी बसें लगा सकते हैं। ये हज के सफर की जो कठिनाइयां हैं, उनको दूर करने के लिए सरकार को संज्ञान लेना चाहिए।

†**چودھری منوّر سلیم** (اتر پردیش) : اپ سبھا پتی مہودے، میں ہندوستان کی 1/5 آبادی، یعنی مسلمانوں کے حج کے فریضے کو لے کر جو کچھ پریشانیاں ہیں، ان کو لے کر کھڑا ہوا ہوں۔ اتر پردیش کے حاجیوں کی مشکلات کے سلسلے میں اتر پردیش کے مکھیہ منتری، ماننیے اکھلیش یادو جی نے بتاریخ 1-4-2015 کو ماننیے پردھان منتری جی کو آگاہ کرایا ہے اور حج منتری، ماننیے محمد اعظم خان صاحب نے ودیش منتری جی کو بتاریخ 12-3-2015 کو آگاہ کرایا ہے، لیکن افسوس ہے کہ اس پر کوئی سنگیان نہیں لیا گیا ہے۔

اپ سبھا پتی مہودے، ہندوستان کی 1/5 آبادی اترپردیش سے حج سے سفر پر جاتی ہے۔ سینٹرل حج کمیٹی اتر پردیش کے ساتھ جس طرح کا بھید بھاؤ کرتی ہے، وہ میں سرکار کے دھیان میں لانا چاہتا ہوں۔ یہ ہندوستان کے حاجیوں کا درد ہے۔ سینٹرل حج کمیٹی نے یہ پابندی لگا دی ہے کہ اموک کمپنی کی اٹیچی لے کر ہی حج کے سفے پر جانا ہوگا۔ اس سے یہ لگتا ہے کہ چیئرمین حج کمیٹی اور اٹیچی کمپنی کے بیچ کچھ گول مال ہے۔ وہ غریب حاجی، جو تہہ-بند اور کرتا پہن کر اپنے کندھے پر پوٹلیاں باندھ کر اپنا مذہبی سفے طے کرتا تھا، اس کے لئے کسی کمپنی کی اٹیچی کی پابندی لگانا، یہ نیا کام ہے اور حاجی اس پر کراہ رہے ہیں۔ اس سے بھی زیادہ افسوسناک بات یہ ہے کہ

† Transliteration in Urdu Script.

ماننیے اکھلیش یادو جی نے پردھان منتری جی کو لکھا ہے کہ 2001 کی مسلم آبادی کے تناسب کے آدھار پر اتر پردیش سے 2014 میں سمست ضلعوں کو ملا کر 23،688 حاجیوں کو بھیجا گیا تھا، جس میں اس بار 1،650 کی تعداد کم کر دی گئی ہے، جبکہ 2014 میں گجرات کے 3،536 حاجیوں کو بھیجا گیا تھا اور وہاں اسے بڑھا کر دوگنا، یعنی 6،272 کر دیا گیا ہے۔ میں آپ کے مادھیم سے سرکار سے کہنا چاہتا ہوں کہ وہ اتر پردیش کے ساتھ انصاف کرے۔ اٹھچی کے معاملے میں اتر پردیش سرکار نے یہ فیصلہ لیا تھا، ماننیے مکھیہ منتری جی نے یہ کہا تھا کہ سرکار اپنی اور سے اتر پردیش کے حاجیوں کو اٹھچی دے گی، لیکن حج کمیٹی کے چیئرمین اور سرکار کی اور سے آج تک اس کے اوپر کوئی جواب نہیں دیا گیا جو افسوسناک ہے، جبکہ وہ ایسا فیصلہ تھا، جس سے ہندوستان بھر کی حج کمیٹی کو سبق لینا تھا۔ اسی طرح وہ ٹریول ایجنسی ...(وقت کی گھنٹی)... سر، ابھی ٹائم بچا ہے۔ وہ ٹریول ایجنسی، جس کی بسوں پر بار لگائی جاتی تھیں اور پچھلی بار ہمارے اتر پردیش کے حاجی آگ لگنے کی وجہ سے ان بسوں میں مرتے مرتے بچے تھے، لیکن ان کا سامان جل گیا تھا، جو وہاں باقی کمیٹیوں کو لوگ بیٹھے ہیں، وہ لوگ اور حج کمیٹی کے چیئرمین نے مل کر اسی کمپنی کو پھر ٹھیکہ دیا ہے، جبکہ دوسری کمپنیاں اس بات کے لئے کھڑی ہیں کہ ہم اور اچھی بسیں لگا سکتے ہیں۔ یہ حج کے سفر کی جو پریشانیاں ہیں، ان کو دور کرنے کے لئے سرکار کو سنگین لینا چاہئے۔

श्री प्रेम चन्द गुप्ता (झारखंड) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री अहमद हसन (पश्चिमी बंगाल) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

†**جناب جاوید علی خان** (اتر پردیش) : مہودے، میں خود کو اس وشئے کے ساتھ سمبدّھ کرتا ہوں۔

श्री किरनमय नन्दा (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार) : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करती हूँ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Names of Members associating may be added. ...(*Interruptions*)... Mr. Sanjay Raut, you start. There is no time for you.

श्री अली अनवर अंसारी :*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing else will go on record. ...(*Interruptions*).. Mr. Sanjay Raut, please speak. ...(*Interruptions*).

---

† Transliteration in Urdu Script.

* Not recorded.